राष्ट्रवाद Important Questions || Class 11 Political Science Book 1 Chapter 7 in Hindi ||

1 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 सामान्यतः राष्ट्रवाद से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : सामान्यता जनता की राय में राष्ट्रीय ध्वज, देशभक्ति, देश के लिए बलिदान जैसी बातें राष्ट्रवाद में आती हैं।

प्रश्न 2 राष्ट्रवाद ने वृहदत्तर राष्ट्र राज्यों की स्थापना का मार्ग दिखाया है। उदाहरण दीजिए।

उत्तर : आज के जर्मनी तथा इटली का एकीकरण और सुद्दढीकरण की प्रक्रिया का अच्छा उदाहरण है।

प्रश्न 3 'राष्ट्र' शब्द से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : राष्ट्र के सदस्य के रूप में हम अपने राष्ट्र के अधिकतर सदस्यों को प्रत्यक्ष रूप से न कमी जान पाते हैं और न ही उनके साथ वंशानुमत संबंध होता है फिर भी हम राष्ट्रों का सम्मान करते हैं।

प्रश्न 4 राष्ट्र के निर्माण में इतिहास का क्या योगदान रहता है?

उत्तर : राष्ट्र के सदस्य के रूप में हम सभी राष्ट्र को मानते हैं क्योंकि हम सभी के अंदर एक ऐतिहासिक पहचान की भावना होती है।

प्रश्न 5 भूक्षेत्र को लेकर लोग उसे क्या-क्या नाम देते है?

उत्तर : मातृभूमि, पितृभूमि या पवित्र भूमि ।

प्रश्न 6 राष्ट्रीय आत्म निर्णय के सिद्धांत का क्या अथ्र है?

उत्तर : सामाजिक समूहों से जब राष्ट्र अपना शासन स्वयं करने और अपने भविष्य को तय करने का अधिकार चाहते हैं।

प्रश्न 7 समतामूलक समाज से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : भिन्न-भिन्न सांस्कृतिक और नस्लीय पहचान वाले देश में समान नागरिकों और मित्रों की तरह सह-आस्तित्वपूर्वक रह सकें।

प्रश्न 8 "एक संस्कृति-एक राज्य' का सिद्धांत का क्या अर्थ है?

उत्तर : एक राज्य में एक ही संस्कृति के लोग निवास करेंगे।

2 अंकीय प्रश्नः

प्रश्न 1 "राष्ट्रवाद ने लोगों को संगठित किया है साथ ही विभाजित भी किया है" कैसे?

उत्तर : राष्ट्रवाद ने उत्कृष्ट निष्ठाओं के साथ-साथ गहरे विद्वेषों को प्रोत्साहित किया है। इसने जनता को एकत्र किया है तो विभाजित भी किया है।

प्रश्न 2 "राष्ट्रवाद साम्राज्यों के पतन के लिए जिम्मेदार रहा है" कैसे? कुछ उदाहरण दीजिए।

उत्तर : बीसवीं शताब्दी की शुरूआत में यूरोप में अस्ट्रियाई- हंगेरियाई और रूसी साम्राज्यों के पतन तथा उनके साथ एशिया और अफ्रीका में फ्रांसीसी, ब्रिटिश, डच और पुर्तगाली साम्राज्य के बंटवारें में राष्ट्रवाद ही था।

प्रश्न 3 'राष्ट्र' शब्द और राष्ट्रवाद में क्या अंतर है?

उत्तर : राष्ट्र:- राष्ट्र जनता का कोई आकस्मिक समूह नहीं है यह परिवार से भिन्न है राष्ट्र के अधिकतर सदस्यों को प्रत्यक्ष तौर पर न कभी जान पाते हैं और न ही उनके साथ वंशानुगत संबंध जोड़ने की जरूरत पड़ती है।

राष्ट्रवाद:- राष्ट्रवाद एक भावना है, देश प्रेम की भावना जो विकसित होती है साझे विश्वास, साझा इतिहास, साझे भू क्षेत्र साझे राजनीतिक आदर्श तथा साझी राजनीतिक पहचान के द्वारा।

प्रश्न 4 'सांझे विश्वास' किस प्रकार राष्ट्रवाद के विकास में सहायक हैं।

उत्तर : साझे विश्वास:- राष्ट्र का निर्माण विश्वास के द्वारा होता है राष्ट्र ऐसी इमारते नहीं जिन्हें हम स्पर्श कर सकें, न ही ये ऐसी वस्तुएं है जिनका लोगों के विश्वास से स्वतंत्र अस्तित्व हो । राष्ट्र की तुलना एक टीम से की जा सकती है।

प्रश्न 5 साझी राजनीतिक पहचान से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : साझी राजनीतिक पहचान:- अधिकांश समाज सांस्कृतिक रूप से विविधता से भरे हैं। एक ही भू-क्षेत्र में विभिन्न धर्म और भाषाओं के लोग मिलजुल कर रहते हैं इसलिए अच्छा होगा यदि हम राष्ट्र की कल्पना राजनीतिक शब्दावली में करे न कि सांस्कृतिक पदों में । लोकतंत्र में किसी खास नस्ल, धर्म या भाषा से संबद्धता की जगह एक मूल्य समूह के प्रति निष्ठा की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 6 क्या 'राष्ट्रीय आत्मनिर्णय' की मांग समकालीन विश्व में विरोधाभासी है?

उत्तर : राष्ट्रीय आत्मविश्वासः- उस वक्त विरोधाभासी लगता है जब हम उन राष्ट्रराज्यों को, जिन्होंने स्वंय संघर्षों के बल पर स्वाधीनता प्राप्त की, किंतु अब वे अपने भू-क्षेत्रों में राष्ट्रीय आत्मनिर्णय के अधिकार की मांग करने वाले अल्पसंख्यक समूहों का खंडन कर रहे हैं।

प्रश्न 7 राष्ट्रीय पहचान के लिए समावेशी नीति से कार्य करने का क्या अर्थ है?

उत्तर : समावेशी नीति का आशय है जो राष्ट्र राज्य के समस्त सदस्यों के महत्व एवं अद्वितीय योगदान को मंजूरी दे सके अर्थात् अल्पसंख्यक समूहों और उनके सदस्यों की संस्कृति, भाषा और धर्म के लिए संवैधानिक संरक्षा के अधिकार |

प्रश्न 8 बहुलवाद से क्या अभिप्राय है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर : बहुलवादः जब एक संस्कृति एक राज्य की अवधारणा को त्याग दिया गया तब नई व्यवस्था वह होगी जहां अनेक संस्कृतियां और समुदाय एक ही देश में फल फूल सकें। भारतीय संविधान में भाषायी, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों की संरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए